शोध मंथन Vol. XVI No.I Jan.- Mar. 2025 ISSN: (P) 0976-5255 (e) 2454-339X
Available at: *http:/shodhmanthan.anubooks.com*

मेरठ शहर की अब्दुल्लापुर मलिन बस्ती की महिलाओं के रोजगार का क्षेत्रीय स्वरूप : एक भौगोलिक अध्ययन

प्राप्तिः 28.02.2025
स्वीकृतः 20.03.2025

12

गौरव वत्स
शोधार्थी (भूगोल विभाग)
आर० जी० पी० जी० कॉलेज, मेरठ
ईमेलः gauravvats886@gmail.com

प्रमेंद्र कुमार
सहायक आचार्य (भूगोल विभाग)
जनता डिग्री कॉलेज, पतला
गाजियाबाद

सारांश

मेरठ में शहरीकरण व औद्योगीकरण की तीव्र गति ने नगरीय क्षेत्र में मलिन बस्तियों को जन्म दिया और आज शहरी विकास में मलिन बस्तियां एक समस्या का विषय बन चुकी है, ग्रामीण क्षेत्रों से आय निर्धन लोग नगर में उच्च कीमत पर आवास नहीं ले पाते और वे किसी खाली पड़ी भूमि, रेलवे लाइन के किनारे, नालों के किनारे तथा सड़कों के किनारों पर बास, पन्नी व टीन से अपने आवास बनाते है और शहर में मलिन बस्तियों को जन्म देते है। इनमें रोजगार के अधिक अवसर नहीं होते है तथा इन बस्तियों की महिलायें भी घर की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करती है। वर्तमान अध्ययन में मेरठ शहर की अब्दुल्लापुर मलिन बस्ती की महिलाओं के रोजगार के क्षेत्रीय स्वरूप, उसमें मिलने वाली विभिन्नताओं, समस्याओं व उनको प्रभावित करने वाले कारकों का भौगोलिक अध्ययन किया जाएगा। डूडा के अनुसार वर्तमान (2012) में मेरठ शहर में 185 मलिन बस्तियां है। अब्दुल्लापुर मेरठ शहर के वार्ड नं० 14 में स्थित एक मलिन बस्ती है जहाँ 2590 परिवार व 15795 लोग निवास करते है।

प्रस्तुत शोध पत्र में अब्दुल्लापुर मलिन बस्ती (2590 परिवार व 15795 लोग निवास करते है डूडा के अनुसार) की महिलाओं के रोजगार के क्षेत्रीय स्वरूप को जानने का प्रयास किया गया है। प्रतीक अध्ययन के रूप में अब्दुल्लापुर मलिन बस्ती का चयन किया गया है। इन मलिन बस्ती में न्यादर्श का चयन कर सम्बन्धीत आंकड़ो को प्रश्नावली द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से एकत्र किया गया है।

मुख्य शब्द

मलिन बस्ती, मेरठ, शहर, रोजगार, डूडा, भौगोलिक, क्षेत्रीय, शहरीकरण

प्रस्तावना

वर्तमान शोध मेरठ शहर की वार्ड नं० 14 में स्थित अब्दुल्लापुर मलिन बस्ती की महिलाओं के रोजगार के क्षेत्रीय स्वरूप के भौगोलिक अध्ययन से सम्बन्धित है। वर्तमान समय में अब्दुल्लापुर मलिन बस्ती में 2590 परिवार व 15795 लोग निवास करते है। आजीविका के क्षेत्र में यद्यपि पुरूषों

की भूमिका मुख्य रही है लेकिन महिलाएं भी प्रारम्भ से आजीविका के क्षेत्र में अपना योगदान देती आ रही है। शहरी क्षेत्रों में आज महिलाएं पुरूषों के समान ही विभिन्न आर्थिक क्रियाओं में शामिल होकर अपने परिवार व शहर के विकास में अपना योगदान दे रही है।

2011 की जनगणना के अनुसार भारत के निम्न पांच राज्यों में सर्वाधिक मलिन जनसंख्या निवास करती है– 1) महाराष्ट्र (11.85 मिलियन) 2) आन्ध्र प्रदेश (10.19 मिलियन) 3) पश्चिम बंगाल (6.42 मिलियन) 4) उत्तर प्रदेश (6.24 मिलियन) व 5) तमिलनाडु (5.80 मिलियन)। उत्तर प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में मलिन बस्तियों की संख्या में तीव्र वृद्धि हो रही है जो प्रदेश के नगरों के विकास में एक रोड़ा है। शहरी क्षेत्र की मलिन बस्तियों की महिलाओं के रोजगार की स्थिति कमजोर है। इन बस्तियों की ज्यादातर महिलाएं पास के घरो में चौका–बर्तन, झाड़ू–पोछा व खाना बनाने आदि का कार्य करती है साथ ही महिलाएं अकुशल मजदूरी, अर्द्धकुशल मजदूरी आदि के रूप में भी कार्य करती है। यद्यपि आज कुछ महिलाएं शिक्षित होकर सरकारी व निजी–संस्थाओं में नौकरी कर रही है, लेकिन उनका अनुपात बहुत कम है। सतत् विकास लक्ष्य (11.1) में भी 2030 तक मलिन बस्तियों का उन्नयन करना मुख्य लक्ष्य है।

अब्दुल्लापुर मलिन बस्ती में 2590 परिवार व 15795 लोग निवास (2011 की जनगणना डूडा) करते है। इस मलिन बस्ती की महिलाओं के रोजगार के क्षेत्रीय स्वरूप, उसमें मिलने वाली विभिन्नताओं, रोजगार से सम्बन्धित महिलाओं की समस्याओं तथा उनको प्रभावित करने वाले कारकों को जानना, उनसे सम्बन्धित सूचनाओं को एकत्रित करना व उनका उध्ययन करना अत्यन्त आवश्यक है ताकि इन बस्तियों की महिलाओं के रोजगार के विभिन्न स्त्रोंतो की जानकारी प्राप्त हो सके, जो सरकारी व गैर सरकारी संगठनों को अब्दुल्लापुर मलिन बस्ती की महिलाओं के रोजगार से सम्बन्धित योजनाओं के निर्माण में काफी सहायता करेगा।

अध्ययन क्षेत्र

पश्चिमी उत्तर प्रदेश का जनपद मेरठ एक प्रमुख सांस्कृतिक, आर्थिक, औद्योगिक एवं कृषि प्रधान क्षेत्र है। जनपद मेरठ का भौगोलिक विस्तार $28^0$47′ से $29^0$18′ उत्तरी अक्षांश तथा $77^0$28′ से $78^0$70′ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। मेरठ का कुल क्षेत्रफल 2522 वर्ग किलोमीटर है जहाँ 34,43689 (2011 की जनगणना) लोग निवास करते हैं। मेरठ शहर का भौगोलिक विस्तार $28^0$57′ से 29°02’ उत्तरी अक्षांश तथा 77°40′ से 77°45′ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। महानगरीय शहर का विस्तार 142 वर्ग किमी0 क्षेत्र में फैला हुआ है। जो कि गंगा और यमुना के मैदान का भाग है। मेरठ शहर गरीब आबादी के मामले में देश का दूसरा सबसे बड़ा शहर है जो दिल्ली से 72 किमी उत्तर पूर्व की दिशा में स्थित है। 1950 में मेरठ शहर में 10 मलिन बस्तियां थी जो 1960 में 35, 1970 में 49, 1980 में 65, 1990 में 84, 2000 में 102 व 2011 में बढ़कर 185 हो गई (CDP रिपोर्ट)। 2011 की जनगणना के अनुसार मेरठ शहर में 185 मलिन बस्तियां है और इन बस्तियों का फैलाव 13.25 वर्ग किमी क्षेत्र पर है। शहर की 185 मलिन बस्तियों में 210721 परिवार व 1236142 लोग निवास करते है। मेरठ शहर एक नगर निगम है अर्थात् नगर निगम ने मेरठ शहर को 80 वार्डों में विभाजित किया है जहाँ पर ये मलिन बस्तियां मिलती हैं। इन मलिन बस्तियों में निवास करने वाली महिलाएं विभिन्न आर्थिक क्रियाओं में सम्मिलित होकर रोजगार प्राप्त कर रही हैं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में अपना सहयोग दे रही हैं। अब्दुल्लापुर मलिन बस्ती मेरठ शहर के पूर्वी बाहरी क्षेत्र में गंगा नहर के दक्षिण में मवाना–पौड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग व गढ़–मुरादाबाद मार्ग के मध्य में वार्ड नं० 14 में स्थित है जहाँ 2590 परिवार व 15795 लोग निवास करते है।

मेरठ शहर का मानचित्र

साहित्यावलोकन

मलिन बस्तियों की महिलाओं के रोजगार से सम्बन्धित निम्न शोध कार्य किए गए है–

- **के0 एन0 वेकहारयैय्या** (1967) ने अपनी पुस्तक **'स्लम ए स्टडी ऑफ अर्बन प्राब्लम'** में मलिन बस्तियों की महिलाओं की स्थिति पर दृष्टि डालते हुए कहा कि महिलाएं गर्भावस्था में भी अंत समय तक विभिन्न क्रियाओं (कार्यों) में संलग्न रहती हैं जिससे कि भूणावस्था में ही बच्चों के विकास पर विपरीत असर पड़ता है साथ ही माताओं द्वारा उचित पोषहार भी न ले पाना बच्चों के कुपोषित होने का कारण बनता है इनके अनुसार लड़कों की अपेक्षा लड़कियों की शैक्षिक एवं सामाजिक स्थिति अधिक दयनीय होती है।
- **श्रीमती मंजुला सिन्धे** द्वारा (1992) **फ्यूचर** नामक पत्रिका के एक लेख **'ए स्टार्ट ऑफ द स्लम'** में मलिन बस्तियों की महिलाओं के संदर्भ में लिखा है कि इन बस्तियों की महिलाएं जो अधिकतर अशिक्षित एवं गरीब होती है दिनभर बाहर काम करके घर आकर थककर चूर हो जाती है जिससे उनके बच्चों एवं पारिवारिक जीवन अनेक प्रकार के दवाबों एवं वियंगतियों से पीड़ित हो जाते है।
- **के0 रंगाराव** एवं **एम0 एस0 राव** ने **'सिटीज एण्ड स्लम'** (1982) में बताया है कि मलिन बस्तियों ने विद्यालयों की कमी अध्यापकों का नकारात्मक व्यवहार आदि बच्चों की शिक्षा के निम्न स्तर होने का प्रमुख कारण हैं।

अध्ययन का उद्देश्य

- अध्ययन क्षेत्र की मलिन बस्तियों की महिलाओं की रोजगार प्रप्ति के विभिन्न स्त्रोतों का अध्ययन करना।
- अध्ययन क्षेत्र की महिलाओं के रोजगार प्राप्ति में आने वाली कठिनाइयों का अध्ययन करना।

शोध परिकल्पना

- वर्तमान समय में भी अध्ययन क्षेत्र की बस्ती की महिलाएं प्राथमिक क्रियाओं में शामिल है।
- इस बस्ती की महिलाओं का शैक्षणिक स्तर निम्न है जिस कारण इन्हें रोजगार के अन्य अवसर नहीं प्राप्त हो पा रहें है।

शोध प्रद्धति

प्रस्तुत शोध मुख्यतः प्राथमिक आकड़ों पर आधारित है। अब्दुल्लापुर मलिन बस्ती में 2590 परिवार व 15795 लोग निवास करते है। अध्ययन की सुविधा व प्राथमिक आकड़ो की प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए कुल परिवारों (2590) से 100 परिवारों की महिलाओं का न्यादर्श के रूप में चयन किया गया है। जिनसे महिलाओं के रोजगार के क्षेत्रीय स्वरूप सम्बन्धित आंकड़ो को एकत्रित किया गया है।

आँकड़ा विशलेषण

इस लघु शोध में अब्दुल्लापुर मलिन बस्ती के 2590 परिवार में से 100 परिवार की महिलाओं को साक्षात्कार के लिए चुना गया है। शोध में प्रथम परिकल्पना के विश्लेषण के लिए प्रश्नावली में बस्ती की महिलाओं से रोजगार के स्वरूप से सम्बन्धित प्रश्नों को शामिल किया गया है।

महिलाओं के रोजगार के साधन सम्बंधी तालिका (N-100 परिवार की महिलाएं)

क्र.सं.	रोजगार के साधन	परिवार हाँ की महिलाएं	परिवार नहीं की महिलाएं	हाँ प्रतिशत	नहीं प्रतिशत
1	कृषि व पशुपालन	62	38	62%	38%
2	मजदूरी	8	92	8%	92%
3	व्यापार	10	90	10%	90%
4	कुटीर उद्योग	12	88	12%	88%
5	सरकारी नौकरी	2	98	2%	98%
6	प्राइवेट नौकरी	6	94	6%	94%

स्त्रोत : प्रश्नावली के आधार पर साक्षात्कार द्वारा

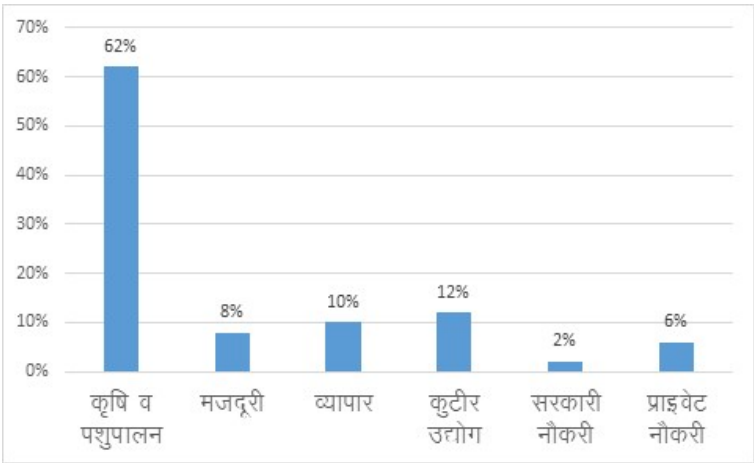

मलिन बस्ती की महिलाओं के रोजगार के साधन

महिलाओं के रोजगार का स्वरूप (N-100 परिवार की महिलाएं)

क्र०सं०	रोजगार का स्वरूप	परिवार हाँ	परिवार नहीं	हाँ प्रतिशत	नहीं प्रतिशत
1	स्थायी	32	68	32%	68%
2	अस्थायी	68	32	68%	32%

स्त्रोत : प्रश्नावली के आधार पर साक्षात्कार द्वारा

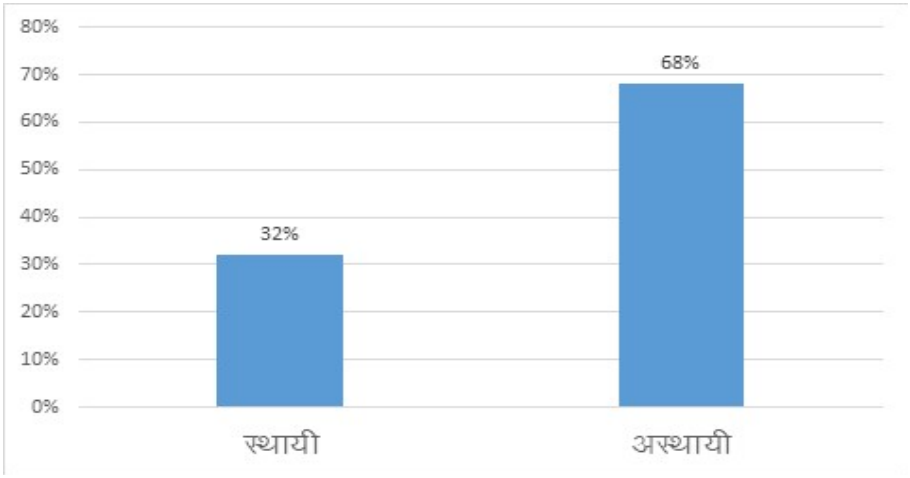

मलिन बस्ती की महिलाओं के रोजगार का स्वरूप

उपरोक्त तालिका के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि अब्दुल्लापुर मलिन बस्ती की महिलाएं प्राथमिक क्रिया (कृषि व पशुपालन) में अधिक संलग्न है। इन बस्ती की केवल 8 प्रतिशत महिलाएं ही नौकरी (सरकारी 2% व गैर सरकारी 6%) करती है। मजदूरी में भी 8 प्रतिशत महिलाएं क्रियाशील है। इन बस्ती की 10 प्रतिशत महिलाएं व्यापार (दुकानों पर काम व घर में दुकान खोलना) में शामिल है। बस्ती की 12 प्रतिशत महिलाएं कुटीर उधोग (चटाई बनाना, कोक बनाना, कडाई काम) में शामिल मिलती है। अब्दुल्लापुर मलिन बस्ती की महिलाओं के रोजगार का स्वरूप सर्वाधिक अस्थायी (68%) प्रकार का है। इस बस्ती की महिलाओं के स्थायी रोजगार का स्वरूप 32 प्रतिशत है जो निम्न स्तर का है। इस बस्ती में नौकरी (सरकारी व गैर सरकारी) सम्बन्धि कार्या में बहुत कम महिलाएं (8%) शामिल है।

बस्ती का शैक्षणिक स्तर

अब्दुल्लापुर मलिन बस्ती की महिलाओं का शैक्षिक स्तर का परीक्षण निम्न तालिका द्वारा किया गया है।

शैक्षणिक सम्बन्धी तालिका (N-100 परिवार की महिलाएं)

क्र०सं०	शैक्षणिक स्तर	परिवार की महिलाएं हाँ	परिवार की महिलाएं नहीं	हाँ प्रतिशत	नहीं प्रतिशत
1	8वीं तक	56	44%	56%	44%
2	8–12वीं तक	29	71	29%	71%
3	12वीं से ऊपर	15	85	15%	85%
4	तकनीकी शिक्षा	0	100	0%	100%

स्त्रोत : प्रश्नावली के आधार पर साक्षात्कार द्वारा

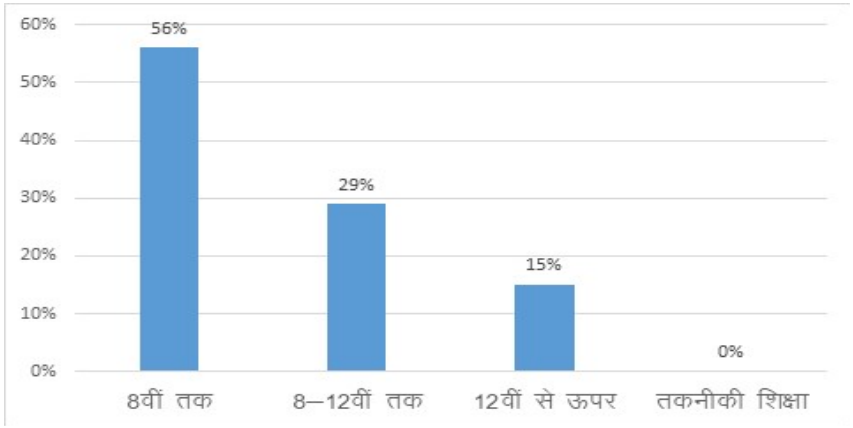

मलिन बस्ती की महिलाओं का शैक्षणिक स्तर

उपरोक्त तालिका के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि अब्दुल्लापुर मलिन बस्ती की महिलाओं का शैक्षणिक स्तर अत्यन्त निम्न है। केवल 15 प्रतिशत ही महिलाओं ने उच्च शिक्षा को (ग्रेजुएट) प्राप्त किया है। साक्षात्कार से ज्ञात हुआ कि गरीबी व शिक्षा का उच्च मूल्य होने के कारण ये लोग बच्चों को नहीं पड़ा पा रहे है। लड़कियों को कम पढ़ा कर उनके विवाह करने की पुरानी रीती आज भी इन लोगों में व्याप्त है। शिक्षा का निम्न स्तर होने के कारण ही इस बस्ती की महिलाएं स्थायी रोजगार को प्राप्त नहीं कर पा रही है।

चुनौतियाँ

- इस बस्ती में शिक्षा का निम्न स्तर मुख्य चुनौती है।
- इस बस्ती में निवास करने वाले परिवारों में महिलाओं के प्रति आज भी पुरानी रीती को मानने की तीव्र भावना व्याप्त है।
- इस बस्ती की महिलाओं के स्वास्थय के प्रति आज भी गैर जिम्मेदारी रूप देखने को मिला है जिस कारण महिलाएं पूर्ण रूप से स्वस्थ नहीं है जिस कारण वे रोजगार के क्षेत्र में अपना पूर्ण सहयोग नहीं दे पा रही है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध 'मेरठ शहर की अब्दुल्लापुर मलिन बस्ती की महिलाओं के रोजगार का क्षेत्रीय स्वरूप : एक भौगोलिक अध्ययन' का गहन विश्लेषण करने के पश्चात यह ज्ञात होता है कि अब्दुल्लापुर मलिन बस्ती की ज्यादातर महिलाएं प्राथमिक क्रियाओं में शामिल है। इस बस्ती की 12 प्रतिशत महिलाएं कुटीर उद्योग आदि कार्यों में शामिल है तथा 18 प्रतिशत महिलाएं मजदूरी व व्यापार में सम्मिलित है। इस बस्ती की महिलाओं में अस्थायी रोजगार (68%) का स्वरूप सर्वाधिक है केवल 32 प्रतिशत महिलाओं को स्थायी रोजगार प्राप्त हो पा रहा है।

साक्षात्कार से प्राप्त मानकारी से ज्ञात होता है कि अब्दुल्लापुर मलिन बस्ती की महिलाओं का शैक्षणिक स्तर अत्यन्त निम्न स्तर का है। 56 प्रतिशत महिलाएं 8वीं कक्षा या उससे कम पढ़ी हुई है। केवल 15 प्रतिशत महिलाएं ही 12वीं कक्षा या उच्च शिक्षा को पूरी कर पाई है। इस बस्ती की निम्न शिक्षा का कारण इन का गरीब व शिक्षा का उच्च मूल्य होना पाया गया है। इस बस्ती में माध्यमिक व उच्च माध्यमिक वाले अंग्रेजी स्कूल उपलब्ध नहीं है व उनके आवास से दूर उपलब्ध है। इन स्कूलों में प्रदेश प्रक्रिया अत्यन्त महंगी है।

शोध अध्ययन द्वारा स्पष्ट होता है कि अब्दुल्लापुर मलिन बस्ति की महिलाओं के रोजगार का स्वरूप अत्यन्त अविकसित है और इस बस्ती की महिलाओं का शैक्षणिक स्तर भी अत्यन्त निम्न है। अतः सरकार व गैर सरकारी संगठनों को इस मलिन बस्ती की महिलाओं के शैक्षणिक स्तर को सुधारने के लिए सर्वप्रथम उचित व आवश्यक कदम उठाने चाहिए ताकि इस मलिन बस्ती की महिलाएं भी रोजगार के स्थायी साधनों को प्राप्त कर अपने परिवार व शहर के विकास में अपना योगदान दे सकें।

संदर्भ

1. Ali, Sabir (2003): "Environmental situation of slums in India".
2. Davis, M. (2006): "Planet of Slums", London, Verso.
3. Desai A.R. & Pillai, S.D. (1972): "A profile of Indian Slums".
4. Kothari, Milan, (2008): "A Human Right's Prespective for the Right to the City".
5. Lefebvre Henri (1968) : "le Droit a' La Ville" (Right to the city)
6. Organisation, Nation, United (2015): "Transforming our world: The 2030 Agenda for sustainable Development".
7. Sindhe Manjula (1992): "A Start of the slum".
8. Vekharaiyya, N.K. (1967): "Slum A Study of Urban Problem".
9. सिंह, रामयज्ञ (1997): ''अधिवास भूगोल, रावत, प्रकाशन''।
10. शर्मा, कल्पना (2006): ''एशियन लारजेस्ट स्लम'', पेंगुइन।
11. तिवारी, आर0सी0, (2007): ''अधिवास भूगोल, प्रवालिका पब्लिकेशन''।
12. डॉ0, बंसल, चन्द सुरेशः ''नगरीय भूगोल, मीनाक्षी प्रकाशन''।